प्रिय डाक्टर !

[illegible] डाक्टरों के [illegible] [illegible] होमियोपैथिक मेटेरिया मेडिका [illegible] [illegible], [illegible] के हाथ में समर्पण करता हूं।

इस मेटेरिया मेडिका में डा० [illegible] डा० [illegible] डा० [illegible] डा० [illegible] डा० [illegible], डा० [illegible], डा० [illegible] डा० [illegible], डा० [illegible] इत्यादि [illegible] [illegible] है, [illegible] है। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

शुद्ध संशोधन ।

पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
	पालाना	पिलाना
	कलम या लादर	
२०	रोन	रोग
१८	टपा	टपका
८	रूप	वातरूप
२१	देवरदामल	देवरदाम
२	पर्मोतिमम्	पेरोटिनम
३	आरम	आराम
५	गुड़ही	पुड़ी
२०	वसक्रिउलम	दि. पारकमा
६	मीदस मोमिका	नक्स मोमिका
१२	आ क्षेप	आक्षेप
१३	उत्त जन	उत्तेजना
[illegible]	पलारमसल्ट	फेफसद्रायट
[illegible]	[illegible]	प्यास
[illegible]	गुद्ध	गुह्य
	निब [illegible]	निब ना
	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	[illegible]
	[illegible]	
	[illegible]	जा

लेक्चर्स ऑफ होमियोपैथिक

मेटेरिया मेडिका एन्ड थेरापिउटियस।

Acunite Napellus.

एकोनाइट नैपेलस

कांटविष अनुत।

रक्त प्रधान धातु का युवक, युवती लोगों को नया रोग में [illegible] हवा बदलने से बहुत रोग उत्पन्न होने से एकोनाइट फायदा देता है। सूखा, ठण्डा, लग कर जो कोई रोग उत्पन्न होता है उस के लिये एकोनाइट बहुत अच्छी दवाई है

प्रदाह के नये हमले में [illegible] बहुत ज्यादा चिन्ता और डर होता है शरीर गरम होता है बेचैनी रहती है सकम्पक ज्वर में रोगी छटपटाता है और ज्यादा प्यास [illegible] रहने से एकोनाइट फलदायक है।

ठण्डा लगने के सबब से सर्दी, ज्वर, आंख का प्रदाह होने से और सोथा, डर केवजह से जो कोई रोग उत्पन्न होता है, उन में एकोनाइट फलदायक है। (डाक्टर हार्ट)

गठिया रोग के नये हालत में जिस वक्त ज्वर रहता है शरीर का ताप बहुत ज्यादा होता है और ज्यादा दर्द बेचैनी, प्यास इत्यादि लक्षण जाहिर रहने से एकोनाइट फायदा देती है। (डा० काउपरथोयेट)

जो सब रोग में हृतपिण्ड का काम बहुत ज्यादा होता है या खून सञ्चालन क्रिया बहुत जल्द जल्द होता है उन सब रोगों में एकोनाइट फायदामन्द है। (डा० हार्ट)

ज्वर में प्यास बेचैनी चमड़ा का सूखना और नाड़ी गर्म पूर्ण और तेज से चलनेवाली एकोनाइट का लक्षण है। (डाक्टर हार्ट)

पक्षाघात की नयी हालत में जब दर्द और उस के साथ झुनझुनाहट रहता है तब एकोनाइट १x फायदामन्द है एकोनाइट तेल भी मालिस किया जाता है एक हिस्सा मूल अर्क के साथ नव हिस्सा ओलिभ आयल।

क्रूप रोग में, सूखा खासी, सांस लेने में तकलीफ और खांसने कवक्त घड़ घड़ आवाज होने से एको-

लेकिन रोगी को गर्म मालूम होता है ज्यादा प्यास. जैसी, पाकस्थली में कोई चीज नहीं ठहरता है एक न. के पानी के सिवा मल भी जलती. ठन्डा पसीना और पेट में कलहा नहीं रह सकता है इत्यादि लक्षणों में इस एकोनाइट १x इस्तमाल करके बहुत रोगी को आराम किया है। (डा० हृदनी)

इरिसीपेलस, स्कारलेटिना और मिजिल्स रोग में एकोनाइट इस्तमाल होता है ज्वर के साथ शीघ्र शरीर में ज्यादा गर्मी इस का प्रधान लक्षण है (डा० केन्ट)

(डा० पीटूस टिटिन्स के मार्निंग मार्केट में एकोनाइट इस्तमाल कर के फायदा उठाया. इन सबों के रोग में कभी कभी एकोनाइट इस्तमाल कर फायदा पहुंचता है। ज्वर में शरीर का ताप ज्यादा कलहा [illegible] नहीं रहना. [illegible] [illegible]

[illegible]

घुमने से, हिलने डोलने से, ठण्डी हवा से, इस दवा का लक्षण ज्यादा हो जाता है (डा॰ वार्ड॰)

डा॰ मूर एक रोगी का हररोज सुबहमें खांसी, खाने पीने के बाद बढती देख कर, और उसके साथ बवासीर का लक्षण देख कर इस दवा को खिलाकर आराम किया था—(एलोज; कौलिनसुनिया; नौक्स मोमिका देखो)

मोताबिक दवा:—नाईट्रिक एसिड, एलोज, कौलिनसोनिया इत्यादि।

हम क्रमिया ३ व २०० व्यवहार करते हैं।

4 ÆTHUSA CYNAPIUM.

इथुजा सिनेपियाम।

बच्चों का पेट (कनभलकन) सींगने खास करके अंतरि का उत्तेजन के कारण से पैदा होने से फायदा मन्द है। (डा॰ काउपर)

बच्चोंके उल्टी में यह दवा बहुत फायदा मन्द। दूध पीने के बाद-ही साथ बहुत तकलीफ से दलाल दूध के हो जाता और उस के बाद कुछ होजाता है जो कमजोरी के कारण नींद के मानिन्द होजाता है, (डा॰ नैश)

दांत के मानिन्द जब जब उभारपना उल्टी होता है दूध किसी तरह से बरदोस्त नहीं होता है यही एक लक्षण में यह दवा फायदा मन्द। (डा॰ हार्ट॰)

एपूशा में आर्सेनिक के मानिन्द कमजोरी और दकावट है पर एय स नहीं।

खाने पीने के बाद, उलटी होने के बाद, पाखेप होने के बाद, मल त्याग करने के बाद, ऐपुजाका लक्षण बढ़ जाता है।

मोताविक दवाः— एन्टीमोनियम क्रुडम; कलकेरिया कार्ब नाटर्नि सिया:

हम एलोज़ा ३० और २०० व्यवहार करते हैं।

5 ALOE SOCOTRINA.

एलो सोकोट्रिना।

रोगी को पाखाना जाने का खाहिश होने से जल्द २ पाखाना जाना पड़ता है देखा कि हवा निकलने के वक्त या पेशाब निकलने के वक्त या थोड़ा सा पाखाना में देर हो जाने से पाखाना कपड़ा में हो जाता है। डा: बोनिंग

हम उपर लिखे हुये लक्षण डायरिया या डिसेन्ट्री में जिस वक्त देखा एक खोराक एलोज २०० व्यवहार कर बहुत रोगी को आराम किया है।

रक्तामाश रोग में कार खुन और कफ मिला हुआ पाखाना हो पेट में गड़ २ आवाज हो, ज्यादा भूख मालूम हो, हवा निकलने के समय बेमालूम पैखाना हो और पाखाना के रास्ता में दरद वो जलन हो इत्यादि लक्ष में एलोज

६ ALUMINA

एलुमिना।

पुराना रोग के कारण कमजोर होने से एलुमिना फायदामन्द; मुत्रद्वार के कमजोरी के कारण से कोष्टबद्ध; ऐसा कि पतला दस्त होने से भी जोर देने पड़ता है।

सूखा दिमाग के मानिन्द नोचनी खिलाफ के गर्मी से ज्यादा होता है जाड़ा के मौसिम में भी ज्यादा होता है जबतक खुन न निकला है तबतक नोचने की ख्वाहिश बनी रहती है उसके बाद तकलीफ होता है नोचने के वक्त [illegible] मालूम होता है।

एलुमिना के रोगी को चाक, कोयला, खड़ी, इत्यादि चीज खाने का खुब ख्वाहिश होता है। (डा [illegible]) ऐसा [illegible] देने से [illegible] से हजम नहीं होने से और [illegible] के पथ्य सिवाय दूसरा पथ्य हजम नहीं होने से [illegible]मिना फायदामन्द है

(डा [illegible])

[illegible] के धातु का कमजोरी होने से [illegible] [illegible] जोर देने पर धातु निकले तो एलुमिना फायदामन्द है।

[illegible] पर जाने से जो [illegible] होता है उसमें [illegible] फायदामन्द है [illegible] और [illegible] देने [illegible] में दर्द हो और [illegible]

लोगों को कोरिया (हाथ पैर का थरथराना) रोग है उनलोगों को शिर में दरद आराम करने के लिये यह दवा फलप्रद है

बोखार होने से ही जिन लोगों को (प्रलाप डेलेरियम) होनेही लोग हमेशा बोखार के हालत में बिछौना छोड़ कर उठ जाने का मतलब होता है इत्यादि लक्षण में यह दवा फायदामन्द है।

बहुत नेत्रनों औ ज्यादे जलन के साथ आगस्फोट या विस्फोटन में यह दवा फायदामन्द है।

देह का चमड़ा, कान चेहरा, नाक, पैर का अंगुली इत्यादि जगह लाल रंग औ नेत्रनी वो जलन इत्यादि हो के फिलिम के चर्म रोग में यह लक्षण रहने से यह दवा फायदामन्द है।

जाड़े के मौसिम में देह का चमड़ा फट जाने के साथ उपर लिखे हुये लक्षण रहे तो यह दवा फायदामन्द है। कोरिया रोग में हाथ वो पैर का थरथराहट रहता है लेकिन नीन्द की हालत में थरथराहट नहीं रहती है कोई मांस पेशी का थरथराहट वा तमाम बदन का थरथराहट रहने से भी यह दवा फायदामन्द है।

रोगी चलने फिरने नहीं सकता है चलने के वक्त पैर थरथराता है, ठेहुनों में अधिक दर्द होता है लिखने सेलाई करने के वक्त, बैठे रहने के वक्त कमर में दर्द होता है।

[illegible]वस्था में भी जिन लोगों को स्त्री प्रसंग का अधिक लालच रहता है लेकिन इन्द्री की कमज़ोरी के कारण इच्छा-नुकूल काम नहीं कर सकता है उसके लिये यह दवा बहुत फायदामन्द है ।

अधिक इन्द्रिय सेवा करने के कारण युवावस्था में बूढ़े के मानिन्द हो जाना, कमर दर्द [illegible] मन उदास हो जाना, आलस्य ग्लानि, तमाम शरीर दुर्बल, और अधिक [illegible] इत्यादि हालतों में यह दवा फायदामन्द है ।

सुजाक के कारण या अधिक इन्द्रिय सेवा के कारण कमज़ोर होने से [illegible] होता है

[illegible] कहीं [illegible] में [illegible] नहीं रहता है [illegible] है कि [illegible] नहीं [illegible])

[illegible] और [illegible] करने के लिये [illegible] बहुत [illegible] है ।

[illegible] होने से और [illegible] ५०० [illegible] कर [illegible] है ।

[illegible]

[illegible] है ।

प्रिय छात्रगण !

आज हम परमकारुणिक परमेश्वर के कृपा से शेष ग्रन्थ आर. के. होमियोपैथिक मेटेरिया मेडिका एन्ड थिरापिउटिक्स, आपलोगों के हाथ में समर्पण करता हूं।

इस मेटेरिया मेडिका में डा. फार्र्ट, डा. हेनिमैन, डा. काउपरथ्वेट, डा. नैश, डा. ह्युज, डा. डेल, डा. बेल, डा. हेरिङ्ग, डा. फारिनट, डा. फैरिङ्गटन, डा. गे, डा. सरकार, डा. सालजर, डा. डनहम, डा. हेमपल, डा. आर, डा. सोवल, डा. हिउज इत्यादि चिकित्सकों का प्रत्यक्षकृत लक्षण सब, जो भिन्न २ रोग में, भिन्न २ पथ को इस्तमाल कर फायदा उठाया है, उन सबों का साथ पूर्ण तौर से लिखा हुआ है। इसके सिवाय डा. मुजुमदार, डा. भादुरि के प्रत्यक्ष परीक्षित लक्षण सब लिखा है। ऐसा किताब आजतक किसी भाषा में नहीं निकला है। पहिला भाग के माफिक दूसरा भाग में भी तकरीबन ५० दवाइयों का वर्णन रहेगा। दूसरा भाग बहुत जल्द प्रकाश होगा।

[illegible] से ज्यादा होती है।

[illegible] है [illegible]
[illegible]
[illegible] है।

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] १० से १०० [illegible] है।

ANACARDIUM ORIENTALE

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] किया है ।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] ।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible]

15 ANTIM CRUI

एनटिम क्रुड।

जीभ के ऊपर सफेद दूध के मानिन्द लेप एनटीम क्रुड का प्रधान लक्षण है। बदहजमी, पतला दस्त, इत्यादि किसी रोग के साथ जीभ के ऊपर सफेद लेप रहने से एनटीम क्रुड व्यवहार होता है।

हरेक किसिम के चमड़े के रोग में यह दवा फायदामन्द है चेचक रोग में यह दवा बहुत फायदामन्द है। (डा: मैप्र)

पुराने पतले दस्त में एनटीम क्रुड फायदामन्द है।

मल सफेद, बदबूदार उसके साथ गोल २ गुठली के ऐसा निकलना अंतड़ी में गरम मालूम होना, पेट में दर्द वो मरोड़ा इत्यादि लक्षणों में फायदामन्द है। (डा: काउपर)

बदहजमी मिजाज के सबब से नाक के पल में प्रदाह होने से यह फायदामन्द है। (डा: चार्ट)

एनटीम क्रुड उलटी का बहुत उमदा दवा है। इपिकाक में जी मिचलाना ज्यादा रहता है इसमें उलटी व उलटी करने का मतलब ज्यादा होता है इपिकाक में जीभ साफ व थोड़ासा लेपदार लेकिन एनटिम क्रुड में जीभ गाढ़ा सफेद लेप से ढका रहता है। (डा: एलेन।

स्व० छोड़ देकर शुरू होताहै हाथ पैर ठण्डा पसीना

[illegible] फायदेमन्द है । [illegible] मे शोथ रोग होने से भी फास्फोरस फायदेमन्द है ।

पेट को दबाने से शोथ को उसके साथ दुर्गन्ध के [illegible] होने में यह दवा फायदेमन्द है ।

इस औषधि ६ x व्यवहार करते हैं ।

10 ARGENTUM NITRICUM

अर्जेण्टम नाइट्रिकम ।

ज्यादा [illegible] बहुत दिनों तक मानसिक मेहनत के कारण सर्द या पुराने रोग में अर्जेण्टम फायदेमन्द है ।

[illegible] बहुत [illegible], [illegible] फुड़े के मानिन्द रोगों में यह दवा बहुत फायदेमन्द है ।

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है।

[illegible] [illegible] है।

[illegible] [illegible] है।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

इन दोनों समय के बाद आर्निका ६X चार रोज एक खुराक तीन २ घन्टे के अंतर में करते हैं. इससे रोगी को किसी किस्म का उपसर्ग नहीं होता है।

दिमाग पर ध्यान करने वालों मैलेरियल बुखार में आर्निका बहुत लाभ पहुंचाता है।

निद्रा की हालत और उसके साथ दिखा यहां रोग बेमालूम निकलना, प्रश्न पूछने पर उसका ठीक जवाब देकर उसके मालूम तुरत बेहोश हो जाना, ये प्रकार [illegible] जाहिर होता है इत्यादि लक्षण में आर्निका लाभ पहुंचाता है   डा: फारर

आर्निका का रोगी सन्निपात हालत में भी रोगी को [illegible] की हालत पूछने पर यह जवाब देगी कि हम अच्छे हैं और [illegible] हो जाते।   (डा. मुखर्जी)

[illegible] ज्यादा व्यवहार करने के कारण से, [illegible] से, [illegible] कम होने से, [illegible] हो जाने से और [illegible] इत्यादि [illegible] हालत जाहिर होने से आर्निका १x व्यवहार करने से फायदा होता है।   (डा. हेरिंग)

[illegible] के [illegible] आर्निका [illegible] के [illegible] [illegible] है और [illegible] इत्यादि [illegible] का [illegible] है [illegible] के [illegible] और [illegible] का [illegible] आर्निका का [illegible] है

[illegible]

के बहुत रोगियों को आराम किया है । (डा मुखरजी)

सड़े सड़े से ऐसा बदबूदार डकार, पञ्जरों में दर्द पेट फुलना वो हिचकी,एकदम कोई चीज खाने का मतलब नहीं होना इत्यादि अर्निका के लक्षण हैं ।

कोष्टबद्ध, सरलान्त्र में बैठाना उमा हुआ रहना पर बाहर नहीं होना , गर्भवती को पीड़ा के मानिन्द मल इत्यादि हालतों में अर्निका फायदामन्द है ।

होपिङ्ग खांसी, बच्चे कोखोखने के वक्त या पहिले रोना पोंछते २ आंख लाल होना नाक से खून गिरना इत्यादि लक्षनों में फायदामन्द है ।

टिफाइड ज्वर में रोगी के नरम बिछौना भी सख्त मालूम करता रहे और नरम जगह के लिये बिछौना के चारों तरफ लोटते रहने इत्यादि लक्षनोंमें अर्निका फायदामन्द है । (डा मुखरजी)

चुपचाप रहने से सोने से, शराब पीने से अर्निका के रोग का लक्षण ज्यादा होता है और सञ्चालन से आराम मालूम होता है ।

हम हमेशा ६ X ३० २०० की क्रम व्यवहार करते हैं

२. A R S E N I C U M
अर्स निकम एलबम

बहुत धबराहट जीवन शक्ति का ... ... उनका

टाईफाइड बोखार की पहिली हालत में बैपटिसिया व्यवहार करने से टाइफाइड बोखार ज्यादा प्रबल नहीं होता है अथवा नहीं ज्यादा दिन तक ठहरता है।

डा० हीउज

क्षयकारी रोगके हेक्टीक ज्वर में बैपटिसिया व्यवहार करने से आराम हो जाता है। डा० मीथेल

साधारण बोखार में जैसा एकोनाईट वैसाही टाइफाइड ज्वर में बैपटिसिया फायदामन्द जो सब बोखार पहिले हालत में समान्य ज्वर कहला कर मालूम होता है और जिसमें एकोनाईट द्वारा कुछ फायदा नहीं होता है उस में बैपटिसिया व्यवहार करने से प्राय: आराम होता है। रेमिटेन्ट ज्वर में पाकस्थली का ज्यादा गड़बड़ होना से बैपटिसिया व्यवहार करना चाहिये।

तमाम बदन में ज्यादा दरद इसलिये रोगी एक जगह पर स्थिर नहीं रह सकता है हमेशा स्थान बदलता रहता है इत्यादि बैपटिसिया का प्रधान लक्षण है।

डा० फेरिंटन

टाइफाइड डायरिया यो: र तमाशय में मलीन काला। रंगका पानी सा खून मिला हुआ दुर्गन्ध युक्त मल, सूखा और नरम प्रमाण से दुर्गन्ध पाकस्थली खाली मालूम होना इत्यादि लक्षण में यह दवा फायदामन्द डा० हेल

बेलाडोना:

डाक्टर चाई लिपिन विशेष २ लक्षण:

मस्तिष्क के ऊपर इसका लक्षण देखा जाता है चेहरा लाल, आँखें लाल, ज्यादा प्रलाप पागल के तरह देखना दांत काटना या लड़ाई करने की इच्छा होना [illegible] [illegible] [illegible] इत्यादि लक्षण होना :

इसका, बिछौना से कूद उठना हमेशा [illegible] और भाग जाने का [illegible] [illegible] [illegible] इत्यादि [illegible] [illegible], निद्रा [illegible] होने से [illegible] [illegible] [illegible] में [illegible] इत्यादि लक्षण में [illegible] [illegible]।

सिर में ज्यादा खून जमना और उसके साथ बुखार होना सिर का धमनी फड़कना, या [illegible] आगे के तरफ सिर कुछ संचालन से और आवाज से सिर दर्द ज्यादा होना, इत्यादि बेलाडोना का प्रधान लक्षण है।

बच्चे हमेशा कांपते हैं. नींद की हालत में [illegible] चौंक उठना और उसके साथ शरीर का कांपना, [illegible] [illegible] के [illegible] बुखार रहना अचानक दर्द [illegible] [illegible] है और [illegible] [illegible] होता है।

अचानक से दर्द लगना बाहर की —

[illegible]
[illegible] ।

[illegible]
[illegible] हैं ।

इसीलिये [illegible]
[illegible] हैं ।

[illegible]

मालूम होना इत्यादि लक्षण में बेलाडोना फायदामन्द ।
[डा० केन्ट]

ज्वर रोग में जिस वक्त एकोनाइट और ब्रायोनिया से अलग नहीं मालूम होता है तब पसीना निकलने का लक्षण देख कर बेलाडोना व्यवहार करना चाहिये ।

.जीभ लाल सुखा किनारा लाल बीच में सफेद लेप बीच २ में लाल विन्दु । डा० फाउपर

परिसिपिलेस रोग में फुला हुआ जगह का लाल रंग व गर्म रहने से बेलाडोना व्यवहार होता है परन्तु ज्यादे फुला रहने से एपिस, फोका के मानिन्द रहने से रस्टक्स फायदामन्द । डा० हीउज

हम हमेशा ३X, ३०, २०० व्यवहार करते है ।

29 BORAX
बोरैक्स ;

डाक्टर धार्ट लिखित विशेष २ लक्षणः—

जिन सब बच्चों को पाकस्थली में ज्यादा खट्टा जमता है और हृष्ट पुष्ट नहीं होते हैं उन के लिये बोराक्स बहुत फायदामन्द ।

हिलने से नीचे तरफ गिर पड़नेका डर, बच्चे शिर नीचे करने से डरते हैं हिंडोले पर चढ़ने से नीचे तरफ गति होने

प्राय: नीन्द की हालत में जाड़ा वो कम्प होता है।

शाम के समय कम्प; बदन से कपड़ा खोलने पर कम्प, जाड़ा वो कम्प एक के बाद दूसरा जाहिर होता है।

बच्चों का शिर, चेहरा वो हथेली गरम रहना इत्यादि लक्षणों में चेरेक्स फायदामन्द।

हम हमेशा ३०, २०० व्यवहार करते हैं।

30 BRYONIA ALBA.

ब्रायोनिया एलबा।

संचालन से दर्द ज्यादा होना ब्रायोनिया का प्रधान लक्षण है। जिस किसी रोग में यह लक्षण हो उस में ब्रायोनिया व्यवहार करना चाहिये चिड़चिड़ा मिजाज का आदमी; वात वो गेठिया युक्त वो पीत प्रधान आदमियों के लिये ब्रायोनिया फायदामन्द। डा० एलेन

दर्द : कांटी बेन्दने के ऐसा या तोड़ जाने के ऐसा वो संचालन से दर्द ज्यादा होना, बिलकुल स्थिर रहने से वो दर्द के तरफ दर्द के जगह दाब कर सो रहने से आराम मालूम होता है।

तमाम बदन का कफ निकलने वाला पर्दा सूखा मुह से लेकर पाखाना के रास्ता तक सूखा ज्यादा प्यास लेकिन देर २ में ज्यादा करके पानी पाना।

अगर खींचने से या संचालन से दर्द हो, तकलीफ ज्यादा हो देखा कि सांस लेने के समय दर्द हो; प्यास मुह भी होठ सुखा, कोष्टबद्ध. जीभ मैल से ढकी हुई, कोई चीज खाने से भी गरम कोठरी में रहने से खांसी रहने पर ब्रायोनिया फायदामन्द।

डा० फेरिंग

वात रोग के समय से तमाम गाठ में ज्यादा भी तथा फुलाव, फुल जाना, गरम मालूम होना भी ज्यादा दर्द रहने से ब्रायोनिया फायदामन्द. रोगी के वात में, नया वो पुराना बुखार रोग में अगर दर्द संचालन से ज्यादा हो तो वह दवा लाभदायक।

डा० फेरिंङ्

ज्वर में जाड़ा ताप वो पसीना इन तीनों हालत में प्यास रहने से वो उसके साथ सिर में दर्द, तमाम शरीर में दर्द लेटे रहने में इसके रोगी को जाड़ा मालूम होना इत्यादि लक्षणों में ब्रायोनिया फायदामन्द।

डा० हेरिङ्

डाक्टर टमिल डो; डाक्टर जार्ज विलियम विशेष लक्षण कई घूमने व टेम या गड़ जाने के ऐसा दर्द संचालन से दर्द ज्यादा होने से रहने

निकल देता है, मिज़्ल्स अच्छी तरह नहीं निकालने के सबब से फेफड़ा का प्रदाह होने से ब्रायोनिया फायदामन्द है, टाइफाइड फीभर में अवसाद वो काम काज सम्बन्धीय प्रलाप, ज्यादा प्यास वो कोष्ठबद्ध रहे तो ब्रायोनिया फायदामन्द है।

डा० काउपर

घर जाने की इच्छा का लक्षण रहने से टाइफाइड फीभर में ब्रायोनिया फायदामन्द।

डा: हेरिङ्ग

जो सब रोगी खांसने के समय छाती पर हाथ धरते हैं वो उसको चाँप देने से दर्द मालूम होना ब्रायोनिया का प्रधान लक्षण है।

निमोनिया रोग में ब्रायोनिया बहुत उत्तम दवा है और इस के कबल एकोनाइट या फिरमफस और उसके बाद फोसफोरस व्यवहार होता है।

डा० मुखर्जी

टाइफाइड ज्वर में स्टोनी ज्यादा रहने से वो पतला दिस्त होने से वैपटिसिया; कमजोरी ज्यादा रहने से जेल्स, ब्रायोनिया में कोष्ठबद्ध।

ब्रायोनिया में काम काज सम्बन्धीय प्रलाप; वैपटिसिया में अंग प्रत्यङ्ग एकट्ठा करने का मतलब ब्रायोनिया में जीभ

शिर को दर्द फटके रहना; शिरसे पसीना चलना इन्हीं के लिये कैल्केरिया कार्ब लाभदायक है।

मोटा होना पानी सा खुन या खुन में ह्वाईट कार्पसेल्स ज्यादा रहना; हमेशा सर्दी लगना तमाम शरीर पतला पर पेट मोटा; जिन बच्चों को आसानी से दांत नहीं निकलता है; आसानी से चलने फिरने नहीं सकता है यो जिन्हों को पैर वो शिर में पसीना तथा जिनको पैर ठण्डा मोजा भींड़ का हुआ मालूम हो, खट्टी चीज डकार के साथ ज्यादा भूख लगना शिर घुमना, ठण्डा पानी या पानी सा चीज मुंह में लेने से दांत में दर्द।

स्त्री को जल्द २ ज्यादा मासिक निकलना थोड़ा सा कारण से मासिक जाहिर होना, दूध के मानिन्द लिकोरिया निकलना,

पहले कफ से सांस नली भरा हुआ; रोगी कमजोर वो सोना; छाती में दर्द मुंह के स्वाद खट्टो, मल में खट्टा गन्ध निकलना ऐसा कि बच्चों का शरीर से भी खट्टा गन्ध मालूम होना, बच्चों को अण्डा खाने को इच्छा; संचालन से पसीना निकलना।

ठण्डा पूर्व दिक की गीला हवा से, पानी में काम कर या पानी में काम करने के सबब से, मिट्टी पर बुट्ने के

ऐसी किसिम [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] प्रकाश करते हैं इत्यादि [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] हुई, [illegible] हुई इत्यादि रोगों में [illegible]
[illegible]

[illegible] में, [illegible] में, [illegible] में [illegible] रोग
का [illegible] ज्यादा होता है। पीठ पर [illegible] [illegible],
[illegible] [illegible] [illegible] मालूम करता है। इस [illegible]
[illegible], [illegible], [illegible] व्यवहार करते हैं।

45 CHELIDONIUM

चेलिडोनियम।

पीठ के दहिने तरफ की स्कंधफलक हड्डी में ज्यादा दरद या थोड़ा २ दर्द चेलीडोनियम का प्रधान लक्षण है यही दर्द खास करके लीवर के रोग में देखा जाता है लीवर के रोग में चेलिडोनियम बहुत उत्तम दवा है। [illegible], खांसी, निमुनिया, मासिक का गड़ बड़ इत्यादि [illegible] रोग के साथ ऊपर लिखे हुये प्रधान लक्षण रहने पर चेलीडोनियम बहुत फायदा करता।

खांसी, गले में घर घर आवाज आती है, बहुत तकलीफ से कफ निकलना ब्रांकाइटीस, निमुनिया खास कर दहिनी तरफ के रोग में साथ कष्ट वो लीवर का दोष रहने से यह दवा फायदा करता। डा फाउलर

45 CHINA.

चायना ।

ज्वर बर्द लिखित विशेष २ लक्षण ।

रक्त स्राव के सबब से जीवनी शक्ति की दुर्बलता [illegible] दिला के बाद रात में पसीना, और दवाओं को [illegible] मिलने के कारण दुर्बलता, ठीक समय में रोग प्रकाश [illegible] चायना का प्रधान लक्षण है ।

[illegible] हवा लगने से रोग ज्यादा होना, थोड़ा सा स्पर्श [illegible] संचालन से दर्द ज्यादा होना, एक दिन के बाद ठीक समय पर रोग बढ़ना चायना का प्रधान लक्षण है ।

मैलेरिया के सबब से ज्वर या सविराम ज्वर, शीत, ताप [illegible], तीनों हालतें पूरे तौर से प्रकाश होना, खासकर के [illegible] मैलेरिया में चायना ज्यादा फायदा देता है ।

[illegible] के सबब से दर्द, टीस मारना, [illegible] है कि जैसे [illegible] साथ [illegible] के बाद [illegible]

[illegible]

स्त्रियोंके हिस्टिरियाके लक्षणमें लिलिलिफुगा फायदामन्द।

बहुत दुःखित उसके साथ जोर से सांस फेंकना यो सारे सिर में दर्द।

शरीर में थरथराहट यो उस के साथ नशासम्बन्धी थरथराहट, बहुत बेचैनी यो पेशी खींचना ओभरी में यो जरायु में नश सम्बन्धी यो घात का दर्द और उसके साथ वैसे पदार्थ उतर पड़ना है ऐसा ही दर्द यो ज्यादा दुःखित होना, ओभरी में नश सम्बन्धी उत्तेजना यो छूने से वह सख्त मालूम होना, और उस के सबब से डिसमेनोरिया, एमेनोरिया, मेनोरेजिया यो ज्यादा उत्तेजना यो उसके साथ मालेन दर्द इत्यादि प्रकार होना सिर के भीतर से बाहर की तरफ दर्द फैलता है, मस्तक के उपर यो पीठे तरफ ज्यादा दर्द और प्रायः पीठ तक फैल जाना, उसके साथ ज्यादा ताप, हिस्टिरिया के सबब से बेचैनी।

ज्यादा यो बहुत देर तक ठहरने वाला दर्द आंत की [illegible] में होना दर्द।

कोरिया रोग [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible], हिप्

[illegible]

रात में आराम करने के समय, बैठा रहने से, सोने के समय, लाने के वक्त कोनियम का लक्षण ज्यादा होता है सञ्चालन से आराम मालूम होता है ।

हम हमेशा ३०, २०० व्यवहार करते हैं ।

58 CROCUS

क्रोकास ।

उलटी ज्यादा रहना, ज्यादा आक्षेप कुप्रम का प्रधान लक्षण है।

डा० डनहम

मृगी रोग में चेहरा मलिन पीलापन कुप्रम का लक्षण है। हम ३x एक ग्रेन कर के दिन में तीन खुराक व्यवहार कर एक लड़की को आराम किया है।

डा० हलेन्ड

मृगी रोग में ज्यादा आक्षेप कुप्रम का लक्षण है।

डा: पेरिस

मृगी रोग का आक्षेप हाथ पैर के अंगुली से शुरु हो कर तमाम बदन में फैलता है। डा: मैथ

हरशूल रोग में कुप्रम बहुत फायदामन्द।

डा. पेरिस

दुपिङ्ग खासी में कुप्रम फायदामन्द दवा है अगर चेहरा नीला रंग, गला संकुचित, हाथ की मुट्ठी बन्द, जी मिचलाना उलटी रहने से व्यवहार होता है। डा. काउपर

हैजा रोग में पेशाब बन्द होने से औ पैर औ तलवे में आक्षेप होने से नब्ज कमजोर यो मुर्दा के मानिन्द होने से, उलटी के बाद नीन्द के मानिन्द हालत, बदन ठन्डा नीला रंग, बहुत दुर्बलता, तमाम बदन में ठन्डा पसीना इत्यादि लक्षण में फायदामन्द।

जिसे स्पष्ट नहीं होने से कुप्रम रस। व्यवहार करना चाहिये।

डा० वेरिङ्गटन

हम होमि० १२, ३०, २०० व्यवहार करते हैं

इस रोग में हम कुप्रम एसेटिकम् व्यवहार करते हैं

DIGITALIS

डीजिटेलिस

डाक्टर बार्ट लिखित विशेष २ लक्षन

जिस किसी रोग में हृत्पिण्ड आक्रान्त होने से और उसके साथ नाड़ी की गति गड़बड़ होना या धीमा वो रुक रुक कर चलना लेकिन हिलने डुलने से नाड़ी की गति बढ़ जाती है-थोड़ा सा संचालन से अधिक हृत्स्पन्दन के साथ नाड़ी का अनियम गति होती है।

हृत्पिण्ड स्पन्द या गड़बड़ के साथ अधिक शोथ लक्षन, नाड़ी की गति धीमी और सविराम लक्षन में डिजिटेलिस व्यवहार करने में हृत्पिण्ड सबल होता है हृत्पिण्ड का [illegible] [illegible] देने से यह दवा व्यवहार होता है

[illegible]

[illegible]

इससे फायदा नहीं होने से कुप्रम सार्का व्यवहार करना चाहिये।

डा फेरिङ्गटन

हम हमेशा १२, ३०, २०० व्यवहार करते हैं

ऐसा रोग में हम कुप्रम पलेटिनम् व्यवहार करते हैं।

61 DIGITALIS

डीजिटेलिस

डाक्टर वार्ट लिखित विशेष २ लक्षण

जिस किसी रोग में हृत्पिण्ड आक्रान्त होने से और उसके साथ नाड़ी की गति गड़बड़ होना या धीमा वो रुक रुक कर चलना लेकिन हिलने डुलने से नाड़ी की गति बढ़ जाती है-थोड़ा सा सञ्चालन से अधिक हृत्स्पन्दन के साथ नाड़ी का सविराम गति होति है।

हृत्पिण्ड यन्त्र का गड़बड़ के साथ अधिक शोथ लक्षन, नाड़ी की गति धीमी और सविराम लक्षन में डिजिटलिस [illegible] हृत्पिण्ड [illegible] होना है हृत्पिण्ड का [illegible] में [illegible] व्यवहार होता है

[illegible] लक्षन [illegible]

[illegible] लक्षन [illegible]

[illegible]

हृत्पिण्ड [illegible]

ऐसा दर्द जो पसीना या पेशाब में दुर्गन्ध हल्कमारा का लक्षण है।

पेशाब में दुर्गन्ध पीब या कफ मिला हुआ स्राव हो रोक रहे है पेशाब होना लक्षण में हल्कमारा फायदामन्द।

मुत्रस्थली में जलन हो पेशाब में कफ या खून जाना हल्कमारा का लक्षण है।

डा॰ इनहम,

स्त्री लोगों के योनि में ताप, नोचनी हो हिलाव के मानिन्द फुन्सी लक्षण, खुजली, मामूली रोग में यह दवा व्यवहार होता है। डा॰ गारेन्सी

पक्षाघात, ठंडा हो पानी में भीगने के सबब से या उसके कारण नया पक्षाघात रोग में खास करके ठंड हो भीगके पक्षाघात में हल्कमारा व्यवहार होता है।

अर्टिकेरिया भीगने के कारण, नोचनी हो जलन के साथ सुई चुभने के ऐसा दर्द, नोचनी के बाद जलन या फुन्सी निकलने के बदल तमाम शरीर में सुई चुभने के ऐसा दर्द लक्षण में हल्कमारा फायदामन्द।

पानी में भीगने के बाद हल्कमारा व्यवहार करने से जल्दी नहीं होता है।

रस टॉक्स ६ [illegible]

निकलना या कड़ुआ उलटी होना, शिर में दर्द, तमाम बदन में दर्द, पाकस्थली या ग्रीह में तकलीफ देने वाला दर्द, पेट से जाड़ा शुरु होता है जाड़ा से बदन ज्यादा होता है जाड़ा कम होने से जी मिचलाना या कड़ुआ उलटी होना जीभ सफेद या पीले रङ्ग के मैल से ढकी रहना इत्यादि लक्षण में यह दवा फायदाजनक

डा० ब्लेन

जाड़ा के पहले प्यास ज्यादा जी मिचलाना या उल्टी या उसके साथ ज्यादा खाँसी आने के ऐसा शिरदर्द, खाने पीने के पदार्थ का स्वाद नहीं मिलता है भूख नहीं लगता, शुरू में जाड़ा शुरु होकर ही एक घण्टा रहता है, दिन भर ज्वर रह कर रात में थोड़ा पसीना होता है, एक दिन के बाद ज्वर, यो पाला ज्वर में यह दवा फायदाजनक।

डा० ब्लेन

हड्डी में टूटने के ऐसा जो दर्द मालूम शिर दर्द तमाम बदन में जाहिर होता है, हड्डी के भीतर तक दर्द मालूम होता है

डा० [illegible]

[illegible]

नाक से ज्यादा पानी सा स्राव निकलना, या पीव के पैसा सफेद स्राव, आंख से ज्यादा गरम पानी गिरना; खांसी, छाती में दर्द, कफ निकलना; सुबह में खांसी ज्यादा होना, दिन में खांसी होना रात में खांसी नहीं होना इत्यादि हाइड्रेस्टिस का प्रधान लक्षण है।

डा० फाउपर

इन्फ्लुन्ज़ा के मानिन्द तमाम बदन का कफ निकलने वाला परदा के रोग में यह दवा बहुत फायदामन्द ।

डा० फाउपर

चोट लगने के सबब से आंख का प्रदाह होने से और उसके साथ हाइड्रेस्टिस का लक्षण रहने से हाइड्रेस्टिस व्यवहार किया जाता है।

स्राव के सबब से क्षत पैदा होना या छोटा २ फुनसी पैदा होने से यह दवा व्यवहार होता है।

डा० देरिंगटन

सिफलिस के साथ आंख का प्रदाह होने से हाइड्रेस्टिस फायदामन्द । डा० डनहम

कोरनिया में दाग या क्षत हाइड्रेस्टिस से आराम होता है। डा० फाउपर

वमोरेसिस, हेपटोबर स्क्रोफुला, आयरनर्टीस

पसुलियों का लगी हुई चीज पाखाना के साथ निकलने से सिरमनेटलिकम लाभ दायक ।

डा० एलेन

धूप जैसा स्राव युक्त लिकोरिया, पीला या पानी सा स्राव या उसके साथ जमा हुआ खून या पेडू में दर्द के ऐसा दर्द ।

डा० नैश

कुमारीन व्यवहार करने के कारण रोग, ढीला में दर्द, स्टोमैक; छूने से दर्द मालूम होना इत्यादि लक्षण में सिरम मेटलिकम फायदामन्द ।

डा० नैश

हम हमेशा ३x, २०० १००० व्यवहार करते हैं ।

(?) GELSEMIUM

जेल्समिनम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] का [illegible] का [illegible] है [illegible] के [illegible] है और [illegible] का [illegible] है [illegible] है [illegible] है [illegible]

[illegible] का [illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible]

[illegible]

है। इसे कालरा, हनुरिल [illegible] का [illegible] फिर [illegible]
[illegible] में [illegible] का [illegible] हैं इनमें [illegible]
[illegible] है [illegible] होता है और [illegible] लक्षण हैं
[illegible] का लक्षण [illegible] है [illegible] लक्षण [illegible]
ऐसी हालत होता है कि [illegible]
[illegible] सकता है [illegible]
इत्यादि रोग में [illegible] डा० [illegible]

[illegible] का [illegible] और
[illegible] दो [illegible] का
[illegible] में [illegible]। डा० [illegible]

[illegible] के [illegible] हुआ है, [illegible]
[illegible] से नहीं हो तो [illegible]
[illegible]। डा० [illegible]

[illegible] हो जाता है और
[illegible] नहीं [illegible] सकता है [illegible]
[illegible] में [illegible] होते हैं इत्यादि [illegible] में
[illegible] डा० [illegible]

[illegible] करते हैं [illegible]
[illegible]

डा० [illegible]

[illegible] से या जिस किस क़िस्म के [illegible] रोग मे [illegible] के मानिन्द लहूदार गाढ़ा पीप निकले तो [illegible] फ़ायदामन्द। डा० नैश।

हम हमेशा ३०, २०० शक्ति प्रयोग व्यवहार करते हैं।

[illegible]

हैमेमेलिस।

खून निकलना बन्द करने के लिये हैमेमेलिस उत्तम दवा है। खून का रंग काला और जमा हुआ अर्निका दवा के लक्षण के मानिन्द इस में चोट लगने के ऐसा दर्द मालूम होता है।

नाक; मसूढ़े; जरायु; पेशाब, मलद्वार इत्यादि जिस्मी स्थान से खून निकलने से उसको आराम करने के लिये हैमेमेलिस व्यवहार किया जाता है।

डा० [illegible]

मलद्वार से खून निकलना, बवासीर के कारण या [illegible] मे या जिस किसी रोग से खून निकलना हो उसके लिये [illegible] खून निकलने में हैमेमेलिस फ़ायदामन्द

डा० [illegible]

तथा लाल रंग प्रदाह में यह दवा बाहर में लगाने के लिये वो पीने के लिये व्यवहार होता है।

डा० हार्ट

लाल रंग में यह एकोनाइट की मानिन्द क्रिया प्रकाश करता है।

ज्वरों में, गीला समय में और रात में लक्षण सब बढ़ते हैं।

विश्राम में, सूखे समय में कमती होता है।

सोलाडिक दवा फिरम, आर्निका, बेलेडना।

हम हमेशा मदरटिंचर, २x व्यवहार करते हैं।